कैलाश के निवासी
नमो बार बार हूँ
नमो बार बार हूँ,
आयो शरण तिहारी
भोले तार तार तू,
आयो शरण तिहारी
शम्भू तार तार तू , कैलाश के निवासी.....

भक्तो को कभी शिव
तुने निराश ना किया,
माँगा जिन्हें जो चाहा
वरदान दे दिया,
बड़ा हैं तेरा दायजा,
बड़ा दातार तू,
आयो शरण तिहारी
प्रभु तार तार तू,, कैलाश के निवासी.....

बखान क्या करू मैं
राखो के ढेर का,
चपटी भभूत में हैं
खजाना कुबेर का,
है गंग धार, मुक्ति द्वार,
ओमकार तू
आयो शरण तिहारी
प्रभु तार तार तू , कैलाश के निवासी...

क्या क्या नहीं दिया है
हम क्या प्रमाण दे
बसे गए त्रिलोक
शम्भू तेरे दान से,
ज़हर पिया, जीवन दिया,
कितना उदार तू
आयो शरण तिहारी
प्रभु तार तार तू , कैलाश के निवासी....

तेरी कृपा बिना ना
हीले एक ही अणु
लेते हैं स्वांस तेरी
दया से तणु तणु,
कहे 'दाद' एक बार
मुझको निहार तू ,
आयो शरण तिहारी
प्रभु तार तार तू
कैलाश के निवासी....